भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

भूमि संसाधन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.2027

दिनांक 11 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ

राष्ट्रस्तरीय पनधारा विकास अभियान

2027. श्री बजरंग मनोहर सोनवणेः

श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विशेषकर पनधारा विकास कार्यकलापों के बारे में लोगों की जानकारी बढ़ाने और जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर का एक अभियान शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो इसके उद्देश्यों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 और 2026 के लिए डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के तहत 'पनधारा-जनभागीदारी प्रतियोगिता' की घोषणा की है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त परियोजना के लिए किए गए वित्तीय प्रावधान का ब्यौरा क्या है और इसके अंतर्गत प्रति वर्ष कितनी परियोजनाएं लाभान्वित होंगी?

उत्तर

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी)

(क) और (ख) जी, हां। भूमि संसाधन विभाग ने परियोजना क्षेत्रों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0) के तहत किए गए वाटरशेड विकास कार्यकलापों में लोगों की भागीदारी बढ़ाने और उसके बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए **"वाटरशेड यात्रा"** के रूप में एक जन आउटरीच अभियान शुरू किया है। वाटरशेड यात्रा अभियान 05 फरवरी, 2025 को शुरू किया गया था। यह अभियान "समुदाय संचालित दृष्टिकोण-जनभागीदारी" को प्राप्त करने में मदद करेगा और क्षेत्र स्तर पर कार्यान्वयन मशीनरी को भी प्रेरित करेगा। सृजित परिसंपत्तियों के रख-रखाव के लिए स्थानीय समुदाय में जागरूकता बढ़ाने की भी आवश्यकता है।

इस अभियान में मोबाइल वैन लगाए गए हैं और वे राज्य स्तरीय नोडल एजेंसियों (एसएलएनए) द्वारा प्रस्तुत योजना के अनुसार चयनित परियोजना क्षेत्रों में जा रहे हैं। वाटरशेड यात्रा के दौरान राज्यों द्वारा किए जाने वाले प्रमुख कार्यकलाप: नए कार्यों का भूमि पूजन, परियोजना क्षेत्रों में पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण, वाटरशेड महोत्सव, वाटरशेड की पंचायत, परियोजना क्षेत्रों में वाटरशेड मार्गदर्शकों को पुरस्कार एवं मान्यता तथा श्रमदान आदि, हैं। ग्राम सभाएं और प्रभात फेरी भी आयोजित की जा रही हैं तथा मृदा और जल संरक्षण के संदेश का प्रसार करने के लिए दीवारों पर पेंटिंग भी बनाए जा रहे हैं।

वाटरशेड यात्रा आउटरीच अभियान का मुख्य उद्देश्य, सार्थक प्रयासों को बढ़ावा देना तथा मृदा और जल संरक्षण के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता फैलाना और इस कार्यक्रम को एक जन आंदोलन बनाना है। यह यात्रा, देश में परियोजना क्षेत्रों में मृदा और जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा देने के साथ-साथ, सरकार के इन प्रयासों में ग्रामीण समुदायों को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए है। इस योजना के माध्यम से, ग्रामीण क्षेत्रों में खाइयों, चेक-डैम, परकोलेशन टैंक, खेत-तालाबों जैसी जल संचयन संरचनाओं का निर्माण और पुनरुद्धार किया जा रहा है ताकि वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन किया जा सके। इसके साथ ही, कृषि आधारित आजीविका को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। पौधरोपण का कार्य भी किया जा रहा है।

(ग) से (ङ) वाटरशेड यात्रा अभियान के दौरान, विभाग ने वर्ष 2025 और 2026 के लिए डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 के तहत 'वाटरशेड - जनभागीदारी प्रतियोगिता' की घोषणा की है। इसके तहत, सरकारी वित्त पोषण और जनभागीदारी से परियोजना क्षेत्रों में होने वाले कार्यों का राज्य स्तर पर मूल्यांकन किया जाएगा और उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाली परियोजनाओं को प्रति परियोजना 20 लाख रुपये का अतिरिक्त पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके लिए कुल 70.80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे हर साल 177 परियोजनाओं को लाभ मिलेगा।

*****